तापमान

अधिकतम 33.2 डिग्री

न्यूनतम 14.6 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024

12 कांग्रेसियों ने शहीदों को किया नमन

12 छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के साथ मतदान के प्रति किया...

खबर संक्षेप

विहिप ने गो तस्करी रोकने की मांग की

शाहबाद। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने नगर की अनाज मंडी में हो रही गो तस्करी को न रोके जाने के खिलाफ एसडीएम कार्यालय में जाकर जोरदार प्रदर्शन किया। गो सेवा जिला प्रमुख महेश भगत ने कहा कि सरकार ओर पुलिस प्रशासन का इस और कोई ध्यान नही है।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सतीश कुमार व जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। मंगलई के राजेंद्र कुमार ने 13 अप्रैल 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि किसी ने गांव मंगलई में स्थित उसके खेत में लगे ट्यूबवेल की तार व मोटर का स्टाटर चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दज किया था।

तस्करी के मामले में आरोपी का दबोचा

अंबाला। थाना नारायणगढ़ क्षेत्र से अवैध शराब की तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी बलदेव उर्फ छोटा को 9 बोतल शराब सहित काबू किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी शराब तस्करी का कारोबार करता है। इसी आधार पर पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू किया। तलाशी के दौरान ही उसके कब्जे से नौ बोतल शराब जब्त की गई। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

दुर्व्यवहार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज महिला से दुर्व्यवहार करने के मामले में पुलिस ने आरोपी तालिब को गिरफ्तार किया है। पीड़ित महिला ने 19 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 11 मार्च 2024 को आरोपी तालिब ने उसके घर में घुसकर उससे दुर्व्यवहार कर जान से मारने की धमकी देने का अपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चेक बाउंस मामले में आरोपी को कैद

छह लाख का मुआवजा नहीं देने पर दो महीने की भुगतनी होगी अतिरिक्त साधारण कारावास

परेशान होकर उन्होंने आरोपी के खिलाफ अप्रैल 2018 में मामला दायर कर दिया। मामले की सुनवाई पूरी होने पर जेएमआईसी की अदालत ने आरोपी विजय को निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के तहत धारा 138 के तहत एक वर्ष की कैद की सजा व एक महीने के भीतर शिकायतकर्ता को छह लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने की सजा सुनाई। साथ ही एक महीने के भीतर मुआवजा की राशि अदा नहीं करने पर दो महीने की अतिरिक्त सजा भुगतने के आदेश दिए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

चेक बाउंस मामले में जेएमआईसी की अदालत ने आरोपी को एक साल की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने आरोपी को एक महीने के भीतर शिकायतकर्ता को छह लाख का मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। आदेशो में एक महीने के भीतर मुआवजा अदा नहीं करने पर दो महीने की अतिरिक्त सजा भुगतने के आदेश दिए गए हैं।

■ अदालत ने आरोपी को दिए एक महीने के भीतर छह लाख का मुआवजा शिकायतकर्ता को देने के आदेश

जानकारी के मुताबिक शहर के मॉडल टाउन निवासी मनीष मलिक द्वारा मैसर्ज मलिक फाइनेंस कंपनी बनाई हुई है। मैसर्ज मलिक फाइनेंस कंपनी द्वारा लोगों को उनके छोटे मोटे काम धंधे के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। मनीष मलिक ने बताया कि मार्च 2017 में जगाधरी निवासी विजय ग्रोवर नामक व्यक्ति उनके पास आया और उनसे बिजनेस करने के लिए सवा तीन लाख रुपये का ऋण मांगने लगा।

इस दौरान कंपनी के नियमों के अनुसार उन्होंने विजय ग्रोवर को सवा तीन लाख रुपये का ऋण उपलब्ध करवा दिया। उस समय विजय ने उन्हें तीन महीने के भीतर ब्याज समेत लिए हुए ऋण को लौटाने का वादा किया। मगर वादे के मुताबिक विजय ने कंपनी से लिए हुए ऋण को वापस नहीं किया। इस दौरान आरोपी विजय पर लिए हुए ऋण पर ब्याज बढ़ता गया और लिए हुए ऋण की राशि बढ़कर चार लाख रुपये पहुंच गई। मगर इसके बाद भी आरोपी ने लिए हुए ना तो ऋण को लौटाया और ना ही ब्याज ही दिया। जिसके बाद उन्होंने आरोपी पर दबाव बनाया। जिसके बाद आरोपी ने मार्च 2018 में उसे चार लाख का चेक काटकर दे दिया। उन्होंने चेक को बैंक में जमा करवाया तो वह बाउंस हो गया।

बिजली बिल वसूली करने गई टीम के साथ हाथापाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव भटौली में उपभोक्ता से बिल की वसूली करने गई विद्युत निगम की टीम के साथ हाथापाई की गई। आरोप है कि उपभोक्ता ने बिल जमा करने से इंकार कर दिया और गाली गलौज करते हुए टीम के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के एसडीओ अजीत कुमार ने बताया कि गांव भटौली में उपभोक्ता बचना राम के नाम पर कनेक्शन का 80 हजार रुपये का बकाया है। इस बारे में टीम गांव में वसूली के लिए गई लेकिन उसने बकाया जमा करने से इंकार कर दिया। जब टीम ने दबाव दिया तो वहां पर उसके ही परिवार से गुरमीत सिंह पहुंच गया। जिसने अन्य लोगों के साथ मिलकर स्टाफ के साथ अभद्रता की। असिस्टेंट लाइनमैन राजवीर सिंह के साथ हाथापाई की और गाली गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

■ पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ किया केस दर्ज

ठग को बुडैल जेल से लाई पुलिस

पानीपत। क्रेडिट कार्ड बंद करवाने के झांसे में लेकर समालखा निवासी युवक से 49740 रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दूसरे आरोपी रितेश को थाना साइबर क्राइम पुलिस की टीम चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई। आरोपी ने अपना अपराध स्वीकारा है।

नशा तस्कर महिला काबू

सीआईए वन पुलिस टीम ने 4 किलो गांजा तस्करी मामले में सप्लायर आरोपी सुनीता निवासी इंद्रा कॉलोनी दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में आरोपी सुनीता ने गांजा सप्लाइ करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा।

पुलिस ने शातिर चोर पकडा

पानीपत। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले शातिर चोर को काबड़ी चौक से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान हरप्रीत उर्फ हैप्पी निवासी बतरा कॉलोनी के रूप में हुई। आरोपी से बाइक चोरी की 6 वारदातों का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद की।

हादसे में कार सवार युवक वाहन में बुरी तरह फंसा, उपचार के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

डुलियानी गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने दूसरी कार स्विफ्ट डिजायर को टक्कर मार दी। इससे स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सफेदे के पेड़ से जा टकराईं। इस दुर्घटना में डुलियाना गांव का रहने वाला रोहित शर्मा बुरी तरह कार में फंस गया। ज्यादा चोट आने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस को दी शिकायत में सुमित शर्मा ने कहा कि वह खेती बाड़ी का काम

मृतक रोहित शर्मा की फोटो

■ तेज रफ्तार कार ने स्विफ्ट डिजायर को मारी टक्कर

करता है। शुक्रवार की रात करीब 9.10 बजे रात को घर जाने के लिये अपनी मोटर साइकिल पर सवार होकर अपने घर जा रहा था। उस के आगे - आगे उस के ताऊ का लड़का रोहित शर्मा स्विफट डिजायर कार में जा रहा था। जब वह अपनी कार को चलाते हुए दौसड़का साढौरा रोड़ पर गांव डुलियाणी के पास पहुंचा तो साढौरा की तरफ से एक कार चालक ने रोहित शर्मा की कार में सामने की तरफ से मार दी। टक्कर लगने के कारण रोहित शर्मा की कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े सफेदा के पेड़ से बड़ी जोर से टकराई। टककर लगने के कारण कार पूरी तरह से क्षति ग्रस्त हो गई और उस के ताऊ का लड़का रोहित शर्मा कार में बुरी तरह से फंस गया।

होली पर हुड़दंग करने वालों से सख्ती से निपटेगी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल में होली व फाग का त्योहार रविवार व सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस त्योहार पर एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को गुलाल लगाते हैं व एक-दूसरे पर पानी डालते हैं। 25 मार्च को फाग के दिन यह सिलसिला पूरे दिन चलेगा। कुछ असमाजिक तत्त्व छोटे मोटे झगड़े को बड़ा रूप दे देते हैं। ऐसी परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए जिला पुलिस की ओर से होली व फाग के पर्व पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने होली के त्योहार के मद्देनजर जिले में कानून एवं व्यवस्था व सांप्रदायिक सद्भावना को बेहतर बनाए रखने व यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से सुव्यवस्थित करने व किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटने

■ गश्त के लिए पुलिस की 47 पार्टी क्षेत्र में पैदल गश्त कर रही है

पुलिस कप्तान अजीत शेखावत

व आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधक व चौकी इंचार्जों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में हुड़दंग बाजी करने वालों से सख्ती से निपटने के विशेष रूप से दिशा निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक थाना में तीन पैदल गश्त पार्टी बनाकर नियुक्त की है। पूरे जिले में 47 गश्त पार्टी क्षेत्र में पैदल गश्त करेंगी। भीड़-भाड़ वाले इलाकों सहित विभिन्न स्थानों पर जवानों को सादी वर्दी में भी तैनात किया गया है। जिनकी असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रहेंगी।

खबर संक्षेप

स्कूलों में शहीदी दिवस मनाया गया

रादौर। शहीदी दिवस के मौके पर जिले भर के विभिन्न स्कूलों में भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का शहीदी दिवस मनाया गया। मून स्टार प्री स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सभी बच्चों व स्टाफ सदस्यों ने क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी। स्कूल प्रिंसीपल रसमीन कौर ने बच्चों को शहीदों के बारे में जानकारी देते दी। हुए बताया कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में अपना जीवन बलिदान देने वाले शहीदों के बारे में आने वाली पीढ़ी को अवश्य बताना चाहिए। उनकी कुर्बानियों को याद करना । लाइक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य कंवर शास्त्री के नेतृत्व में देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

छात्रों ने शहीदों को नमन किया

पानीपत। शहीदी दिवस के अवसर पर गांधी ग्लोबल फैमिली की ओर से हाली अपना स्कूल, सेक्टर 25, पानीपत में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिस में गांधी ग्लोबल फैमिली के महासचिव राम मोहन राय ने क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बच्चों को सुनाई वीरों की गाथा

पानीपत। नॉर्थ इंडिया एंटी करपशन के लतीफ गॉर्डन स्थित कार्यालय में आज राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक की अध्यक्षता में शहीदी दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस पर 2 मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जिनवाणी स्कूल में होली मनाई

पानीपत। जिनवाणी विद्या भारती स्कूल में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। शिक्षकों ने भी एक दूसरे को और सभी बच्चों को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। प्रिंसिपल नीलम ने कहा कि होली खुशियों का त्योहार है। उन्होंने टीचरों और बच्चों को होली की बधाई देते हुए प्रेम और भाईचारे की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया।

नगर निगम की संयुक्त आयुक्त ने पंपिंग स्टेशनों का किया निरीक्षण

गंदे पानी की निकासी के लिए पंपिंग स्टेशनों के बेहतर रखरखाव का निर्देश

कोई भी खराबी आने पर तुरंत ठीक करवाया जाए ताकि क्षेत्र से नियमित पानी की निकासी होती रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। निगम क्षेत्र स्थित इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण करती संयुक्त निगम आयुक्त नीलम मेहरा।

नगर निगम की संयुक्त आयुक्त नीलम मेहरा ने निगम क्षेत्र के बुड़िया, गढ़ी बंजारा व मानकपुर में निगम द्वारा बनाए गए इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हर पंपिंग स्टेशन की बारीकी से जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तीनों पंपिंग स्टेशनों का बेहतर रखरखाव रखा जाए। ताकि क्षेत्र में गंदे व बरसाती पानी की निकासी की समस्या उत्पन्न न हो सके। निगम की संयुक्त आयुक्त नीलम मेहरा ने सबसे पहले अन्य अधिकारियों के साथ बुड़िया स्थित इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन की हर मशीनरी की बारीकी से जांच की। उन्होंने स्टेशन की देखरेख करने वाले कर्मचारी को कड़े निर्देश दिए कि हर मशीनरी की जांच करते रहें। कोई भी खराबी आने पर उसे तुरंत ठीक करवाया जाए। ताकि क्षेत्र से नियमित पानी की निकासी होती रहे। इसके बाद संयुक्त निगम आयुक्त नीलम मेहरा गढ़ी बंजारा व मानकपुर स्थित इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशनों पर पहुंची। यहां भी उन्होंने स्टेशनों की हर मशीनरी, पंपिंग सिस्टम, मोटर व अन्य मशीनों की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वह पंपिंग स्टेशनों की हर मशीनरी की नियमित जांच करें। आगामी बरसाती सीजन से पूर्व हर पंपिंग स्टेशन की जांच करें। ताकि क्षेत्र में गंदे पानी व बरसाती पानी के जमाव की दिक्कत न आए। गौरतलब है कि इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन बनने से पहले इन स्थानों के निचले क्षेत्र में पानी की निकासी की समस्या थी। निकासी न होने से सीवरेज जाम की समस्या भी बहुत अधिक रहती थी। बरसात के मौसम में लोगों को ज्यादा दिक्कत आती थी। सीवरेज जाम हो जाते थे। लेकिन पंपिंग स्टेशन बनने से यहां मोटर के माध्यम से सीवरेज के पानी को स्ट्रॉम वाटर लाइन तक भेजा जाता है। अब इन क्षेत्रों में पानी की निकासी की समस्या नहीं है। पंपिंग स्टेशन नियमित काम करते रहें इसे लेकर संयुक्त निगम आयुक्त द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

शहीदी दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

- शिविर में 52 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। मछरौली में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदानी प्रमाण पत्र के साथ।

शहीदी दिवस के अवसर पर ग्लोबल ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के द्वारा गांव मछरौली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 52 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में गांव की सरंपच अनुकौर उपस्थित हुई। फाउंडेशन द्वारा मुख्यातिथि का स्वागत किया गया। मुख्यातिथि ने शहीदों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर शिविर का शुभारंभ किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष कमलदीप चौधरी ने कहा की आज शहीदी दिवस पर शहीदों की याद मे गांव मे ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि हम शहीदों के बलिदान को कभी नही भुला सकते। हम सभी को उनके जीवनी से प्रेरणा लेनी चाहिए। आज की युवा पीढ़ी रक्तदान शिविर में बढ़चढ़ कर भाग ले रही है। गाँव की युवा पीढ़ी ने रक्तदान शिविर मे बहुत उत्साह के साथ योगदान दिया। मौके पर सरपंच प्रतिनिधि सतीश कुमार, पंच विजय,आशा, मामराज, सोहनलाल, सरिता, सचिन, कुसुमलता, व गाँव के सुखदेव सिंह, मास्टर यशपाल ढांडा, प्रदीप मोहड़ी, शमशेर सिंह, परवीन शर्मा, निर्मल सिंह, अमरीक सिंह,संदीप सैनी, दीपक सैनी, प्रवीण बेगम आदि ने रक्तदान किया।

बच्चों ने मनाया होली का त्योहार

- संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

यमुनानगर। संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में होली का त्योहार मनाते बच्चे व स्टाफ सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल हरनौल व सुरेंद्रा हाई स्कूल में शनिवार को होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कक्षा प्री नर्सरी से 12वीं तक के बच्चों ने गुलाल लगाकर व नृत्य कर होली का त्योहार मनाया। स्कूल के चेयरमैन रणधीर चौधरी ने कहा कि होली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। सभी को होली का त्योहार मिलजुल कर मनाना चाहिए।उन्होंने कहा कि हमें सूखी होली मनाकर पानी को बचाना चाहिए। मौके पर प्रिंसीपल सोनिया चानना, सुरेश चानना, प्रभजोत कौर, शरणप्रीत कौर, मोहित बालियान व राजविंदर कौर आदि मौजूद थे।

न्यायमूर्ति ने न्यायालयों का किया निरीक्षण

- जिला बार एसोसिएशन जगाधरी ने पंजाब एंड हरियाणा की न्यायाधीश न्यायमूर्ति मंजरी नेहरू कौल को बार की समस्याओं और मांगों से करवाया अवगत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। बार भवन में आयोजित कार्यक्रम में न्यायमूर्ति मंजरी नेहरू कौल को स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए बार एसोसिएशन के सदस्य।

पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय की न्यायाधीश और जिला एवं सत्र न्यायालय जगाधरी की प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति मंजरी नेहरू कौल ने जिला यमुनानगर की न्यायिक न्यायालयों का निरीक्षण गया। इसके बाद जिला बार एसोसिएशन जगाधरी ने बार के सभागार में न्यायमूर्ति के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में न्यायमूर्ति मंजरी नेहरू कौल ने अधिवक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यमुनानगर उनका अपना गृह क्षेत्र है। जिला बार एसोसिएशन जगाधरी बहुत ही अच्छी बार है। मौके पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान अरुण ढांडा द्वारा अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ मिलकर बार एसोसिएशन जगाधरी की समस्याओं व मांगो से अवगत करवाया। प्रधान अरुण ढांडा के नेतृत्वें में एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति के समक्ष अधिवक्ताओं के लिए चैंबर, पार्किंग, लिटिगेंट हॉल के लिए लिफ्ट व कोर्ट कॉम्पलेक्स की लिफ्ट आदि बदलने की मांग रखी। जिस पर न्यायामूर्ति ने एसोसिएशन को आश्वासन दिया कि उन्होंने जो समस्याएं व मांगे रखी हैं उन्हे पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान अरुण ढांडा व अन्य पदाधिकारियों ने न्यायमूर्ति को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला बार एसोसिएशन के महासचिव अभिषेक बागंड ने किया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के उप प्रधान रविन्द्र सिंह संधू, सह सचिव शानु शर्मा, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार सैनी, दिग्विजय सिंह खुराना, पूर्व प्रधान राम कुमार रादौरी, पूर्व प्रधान यशपाल सिंह राझेडी, पूर्व प्रधान पवन कुमार पूनिया आदि मौजूद रहे।

तीन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट स्थान किया हासिल

- गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर ने अपने होनहार विद्यार्थियों को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। कॉलेज में परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले तीनों विद्यार्थियों को आर्शीवाद देते प्राचार्य व अन्य।

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के तीन विद्यार्थियों ने एमएससी फिजिक्स अंतिम वर्ष की परीक्षा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की मेरिट सूची में उत्कृष्ट स्थान हासिल कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। शनिवार को कॉलेज के प्राचार्य समेत स्टॉफ सदस्यों ने तीनों विद्यार्थियों को आर्शीवाद और बधाई दी। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मेजर एचएस कंग ने बताया कि उनके कॉलेज के एमएससी भौतिकी अंतिम वर्ष के तीन विद्यार्थियों ने परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया है। जिनमें निकिता ने 70.4 प्रतिशत अंक लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्तर पर सातवां स्थान, छात्र अभिषेक ने 69.3 प्रतिशत अंक लेकर 9वां स्थान व विमल ने 68.3 प्रतिशत अंक लेकर 10वां स्थान हासिल किया। प्राचार्य डॉ. मेजर एचएस कंग ने निकिता, अभिषेक व विमल को परीक्षा में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट स्थान हासिल करने के लिए बधाई दी। उन्होंने तीनों विद्यार्थियों को उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और शैक्षणिक उत्कृष्टता की सराहना की। मौके पर कॉलेज के भौतिकी विभाग के प्रमुख प्रो. बाल कृष्ण ने विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धि पर खुशी और गर्व व्यक्त किया। वहीं, कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल डॉ. कमलप्रीत कौर ने भौतिकी विभाग के संकाय सदस्यों प्रतिभा शर्मा, डॉ. मनदीप कौर, डॉ. अंजू निगम, अदिति आदि की सराहना की। कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने तीनों विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई दी।

साढ़े सात बीघा जमीन पर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद

- स्थानीय पुलिस ने दोनों पक्षों को समाझाकर किया शांत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर के रेलवे रोड़ पर खाली पड़ी साढ़े सात बीघा जमीन को लेकर शनिवार को दो पक्षों के बीच कब्जा करने को लेकर विवाद हो गया। मगर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाकर शांत किया । शहर के रेलवे मार्ग पर लंबे अर्से से साढ़े सात बीघा जमीन खाली पड़ी हुई है। जिस पर एक पक्ष दिल्ली निवासी रोबिन भसीन अपना कब्जा बता रहा है तो वहीं, दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश का वन विभाग अपना दावा जता जा रहा है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। शनिवार को दिल्ली निवासी रोबिन भसीन अपने अन्य साथियों के साथ उक्त जमीन पर कब्जा करने पहुंच गया। सूचना मिलते ही हिमाचल प्रदेश के वन विभाग के अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और जमीन को अपनी बताया। जिसे लेकर दोनों पक्षों में तनातनी होने की नौबत आ गई। मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई। रोबिन भसीन का कहना था कि यह जमीन उसकी है। कोर्ट से वह केस जीत चुका है। वहीं, हिमाचल वन विभाग के अधिकारियों का कहना था कि वर्षों से इस जमीन पर विभाग का कब्जा है।

फेडरेशन के सदस्यों ने समस्याओं पर किया मंथन

- सरकारी सहायता प्राप्त सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं प्राध्यापक फेडरेशन की बैठक डीएवी गर्ल्स कॉलेज में हुई आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। डीएवी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित बैठक में मुख्या रूप से उपस्थित हुए सदस्यों का स्वागत करते फेडरेशन के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

सरकारी सहायता प्राप्त सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं प्राध्यापक फेडरेशन की यमुनानगर जोन की बैठक डीएवी कन्या महाविद्यालय में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता फेडरेशन की समन्वय समिति के सदस्य डॉ. पीआर त्यागी व पूर्व प्राचार्या डॉ. उर्मिल शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में फेडरेशन के सदस्यों को आ रहे समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। डॉ. पीआर त्यागी ने कहा कि उच्च शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान देने के बावजूद सरकारी अनुदान प्राप्त कॉलेजों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों की भांति ट्रेजरी द्वारा पेंशन भुगतान, बीस वर्ष की सेवा पर पेंशन का पूर्ण लाभ, चिकित्सा सुविधा तथा हरियाणा सरकार द्वारा अस्सी वर्ष की आयु के बाद पेंशन में बीस प्रतिशत वृद्धि का लाभ नहीं दिया जा रहा है। बैठक में फेडरेशन की समन्वय समिति के प्रदेश संयोजक डॉ. दिले राम चौधरी ने पेंशन मिलने में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से आग्रह किया कि पेंशन का भुगतान समय पर किया जाए क्योंकि सेवानिवृत्ति के बाद बढ़ती उम्र में स्वास्थ्य सहित अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। डॉ. यूवी सिंह ने कहा कि हमें अपनी संगठनात्मक शक्ति को मजबूत करना चाहिए तथा सरकार से सौहार्दपूर्ण वार्ता स्थापित कर अपनी मांगों को पूरा करवाने का प्रयास करना चाहिए। मौके पर डॉ. एसएम अरोड़ा, डॉ. एसके गोयल, डॉ. जेएल विज, डॉ. जेएस सोढ़ी, डॉ. प्रदीप शर्मा स्नेही, डॉ. केआर भारद्वाज, डॉ. बीमदन मोहन, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. रवीश चौहान, डॉ. निर्मल सिंह ने भी विचार प्रकट किए।

शादीपुर-गुमथला मार्ग क्षतिग्रस्त, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। शादीपुर गुमथला मार्ग की क्षतिग्रस्त बनी हुई हालत।

जिले का शादीपुर वाया खजूरी गुमथला मार्ग पिछले लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़ा होने से लोग परेशान हैं। क्षेत्र के राजबीर सिंह, सुरेश पाल, महेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, रोहित, विजय सिंह व गुलाब सिंह आदि ने बताया कि शादीपुर-वाया खजूरी गुमथला मार्ग पिछले लंबे अर्से से क्षतिग्रस्त पड़ा है। इस मार्ग से हजारों वाहन रोजाना करनाल तक आवागमन करते हैं। वहीं, मार्ग पर दर्जनों गांव पड़ते हैं। जिनसे रोजाना हजारों स्कूली बच्चे अपने निजी साधानों व बसों द्वारा अपने स्कूल कॉलेजों में पढ़ने के लिए यमुनानगर समेत अन्य स्थानों पर जाते हैं। वहीं, किसान भी अपनी फसलों को ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरकर उन्हें बेचने के लिए अनाज मंडियों में जाते हैं। मगर इसके बावजूद मार्ग की हालत को ठीक नहीं किया जा रहा है।

सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का समापन

भगवान कृष्ण के सामान कोई नहीं है सहनशील

- कथा के समापन पर हवन-यज्ञ व भंडारे का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। कांसापुर में कथा के समापन पर सुंदर समाज का निर्माण करने के लिए श्रद्धालुओं को समझाते कथाव्यास। *फोटो: हरिभूमि*

शहर के कांसापुर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागव संगीतमय कथा का विधिवत समापन हो गया। कथा के समापन अवसर पर हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथाव्यास आचार्य कमलेश शास्त्री ने कथा के समापन पर श्रद्धालुओं को समझाया कि वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार का दमन करने के लिए श्रद्धालु आगे आएं। वह इन बुराइयों को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए भागीदार बनें। उन्होंने फरमाया कि श्रीमद्भागवत कथा ही ऐसी कथा है। जिसके श्रवण मात्र से ही मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति कर लेता है। भगवान कृष्ण के सामान कोई सहनशील नही है।

उन्होंने कहा कि क्रोध हमेशा मनुष्य के लिए कष्टकारी होता है। इसलिए क्रोध त्यागकर मानव को सहनशील बनना चाहिए। मौके पर श्रद्धालुओं ने कहा कि जिस प्रकार कथा व्यास द्वारा कथा का अमृत मान करवाया गया वह निश्चित तौर पर अंतरात्मा में वास कर गया। इस दौरान हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें पंडित श्याम शास्त्री,पंडित देवराज शास्त्री,पंडित अमित शास्त्री व पंडित शरद शास्त्री ने विधि विधान के साथ यज्ञ में आहुतियां डलवाई। पूर्ण आहुति के बाद आरती हुई।

आरती के बाद उन महिला श्रद्धालुओं को नारियल वितरित किए गए जिन्होंने कथा के पहले दिन कलश धारण किए थे। बाद में कन्या पूजन एवं ब्रह्म भोज करवाया गया। इसके बाद भंडारा हुआ जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

एड्स से बचाव ही है समाधानः डॉ. करुणा

- महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में रेड रिबन क्लब एवं यूथ रेडक्रॉस यूनिट ने किया एड्स विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में रेड रिबन क्लब एवं यूथ रेडक्रॉस यूनिट द्वारा एड्स विषय पर शहर के नागरिक अस्पताल के सहयोग से निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर करुणा ने दीप प्रज्जवलित करके किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में बीसीए प्रथम वर्ष के छात्र करनैल सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, बीसीए द्वितीय वर्ष के छात्र नवदीप ने द्वितीय और बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्रा आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि बीसीए द्वितीय वर्ष की छात्रा चांदनी को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में डॉक्टर अनीता ढींगरा ,प्रोफेसर गौरव बरेजा व मैडम सीमा जैन ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्राचार्या डॉक्टर करुणा ने बताया कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है । इस बीमारी से बचाव ही इसका उपचार है।

खबर संक्षेप

विवाह संस्कार में पवित्रता का ज्यादा ध्यान रखें

थानेसर। होली के पावन अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के नॉन टीचिंग क्लब में श्रीगो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष भागवत प्रवक्ता कथावाचक अनिल शास्त्री ने छठे दिन कहा कि हमारे धर्म शास्त्रों में आठ प्रकार के विवाह का वर्णन किया गया है। विदर्भ राज नरेश की पुत्री महारानी रुक्मिणी का विवाह भाई रुक्मी ने मगध नरेश शिशुपाल के साथ में निश्चित किया था। भाई रुक्मी को यह पता नहीं था कि मेरी बहन रुक्मिणी साक्षात लक्ष्मी की अवतार है।

यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने शहीदों को किया नमन

लाडवा। यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सदस्यों ने शहीदी दिवस के अवसर पर भारत माता के वीर सपूत शहीदे आजम भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर संगठन के चैयरमैन जोगध्यान ने कहा कि ब्रिटिश सरकार ने 23 मार्च 19 31 को भारत माता के तीन वीर सपूतो भगत सिंह ,सुखदेव ,राजगुरु को निर्धारित समय से पूर्व फांसी दे दी थी। भारत माता के इन तीन वीर सपूतो ने मेरा रंग दे बसंती चोला गीत गाकर हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे।

शहीदी दिवस पर भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

लाडवा। यूथ कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता हरप्रीत सिंह चीमा ने कहा कि शहीदों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है शहीदों की कुबार्नी के कारण हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। चीमा शनिवार को इंडियन गठबंधन के कार्यालय पर शहीद भगत सिंह सुखदेव राजगुरु के चित्र पर फूल अर्पित कर शहीदों को याद किया गया। चीमा ने कहा कि हमें भी शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर उनका सम्मान करना चाहिए।

25 अप्रैल तक मतदाता सूची में दर्ज कराएं नाम

कुरुक्षेत्र। चुनाव तहसीलदार सरला ने सभी पात्र नागरिकों एवं मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी मतदाता सूची में अपना नाम जरूर चेक कर लें। ऐसा ना हो कि मतदाता का के पास वोटर कार्ड तो है लेकिन उसका नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। इस स्थिति में मतदाता वोट नहीं डाल पाएगा। उन्होंने बताया कि कोई भी मतदाता चुनाव आयोग द्वारा जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र होने पर भी मतदाता सूची में उसका नाम नहीं होने की स्थिति में वोट डालने का पात्र नहीं होगा।

अतिथियों ने पुस्तक का किया विमोचन

कुरुक्षेत्र। जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान पलवल की प्राचार्या संतोष शर्मा द्वारा अजराना खुर्द के राजकीय माध्यमिक विद्यालय की संस्कृत अध्यापिका मीनाक्षी शर्मा द्वारा स्वरचित कविता संग्रह ह्ल कविताओं की उड़ान मीनाक्षी संगह्व पुस्तक का विमोचन किया गया व कवयित्री मीनाक्षी के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कवयित्री मीनाक्षी शर्मा पिछले कई वर्षों से इस जिला संस्थान से जुड़ी हुई हैं व समय-समय पर संस्थान में आयोजित कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति देती रहती है। विजय कुमार, राजेश शर्मा, अपर्णा, जसविंद्र आदि रहे।

शहीदों के बलिदान के कारण आज देश का हर नागरिक खुली हवा में सांस ले रहा है: अनिल कुलश्रेष्ठ

शहीदी दिवस पर जिलेभर में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

देश के लिए प्राणों की बाजी लगाने वाले अमर शहीदों को याद कर हर हर आंख हुई नम, भारत माता के लगाए नारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला भर में शहीदी दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वात्सल्य वाटिका ब्रह्मा कालोनी अमीन रोड कुरुक्षेत्र में शहीदों का बलिदान दिवस मनाया। सबसे पहले देश पर कुर्बान हुए शहीदों के चित्र समक्ष पुष्प अर्पित कर नमन व याद किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल कुलश्रेष्ठ प्रधानाचार्य श्रीमद्भागवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र और कार्यक्रम के अध्यक्ष राजकुमार सैनी भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रहे। कार्यक्रम में आए हुए अतिथिगण का परिचय व स्वागत वात्सल्य वाटिका विद्यालय प्रधानाचार्य गौरव चौधरी ने करवाया। मुख्य अतिथि अनिल कुलश्रेष्ठ ने कहा कि आज हमारे राष्ट्र के लिए बहुत ही गौरव का दिन है। आज देश पर कुर्बान हुए शहीदों का बलिदान दिवस है, इन शहीदों के बलिदान से ही हम सभी आजादी से सांस ले रहे हैं। शहीदों के बलिदान को सलाम है और कभी भी इनके बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। हमें अपने शहीदों की जीवनियों को पढ़ना चाहिए। इस अवसर पर वात्सल्य वाटिका कुरुक्षेत्र संस्थापक स्वामी हरिओम दास परिव्राजक, ट्रस्ट प्रधान ओम प्रकाश मित्तल, ट्रस्ट उपप्रधान सुरेश कुमार, ट्रस्ट सचिव ओमप्रकाश गेरा, कोषाध्यक्ष संत राजेंद्र सिंह, ट्रस्ट सदस्य राजकुमार सैनी भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, विद्यालय प्रधानाचार्य गौरव चौधरी, छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

शहीदों की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की

कुरुक्षेत्र। भगवान परशुराम कॉलेज में शहीदी दिवस के उपलक्ष में इतिहास विभाग के द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि भगवान परशुराम कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर शीशपाल रहे। प्राचार्य एवं स्टाफ के अन्य सदस्यों ने शहीदों के छायाचित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। आचार्य ने युवाओं से कहा कि हमें इतिहास, साहित्य और कवियों की रचनाओं से शहीदों के जीवन दर्शन का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। इस अवसर पर इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ सुषमा वशिष्ठ ने भगत सिंह के जीवन परिचय से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह में बचपन से ही देशभक्ति की भावना थी उन्होंने क्रांति के माध्यम से समाज में बदलाव लाने और देश को आजाद कराने का प्रयास किया। 23 मार्च 1931 को देश को स्वतंत्र कराने के लिए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने अपने जीवन का बलिदान कर दिया। जिनसे हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इस अवसर पर डॉ सुरेश, प्रोफेसर मालविका शर्मा तथा डॉ धीरज कौशिक उपस्थित रहे।

शहीदी दिवस पर शहीदो की शहादत को किया नमन

कुरुक्षेत्र। शहीदी दिवस के अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रवि बतान के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कुरुक्षेत्र के शहीद भगत सिंह संस्थान पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करते हुए व वीर शहीद अमर रहे के जयघोष के साथ शहीदो को याद किया। भाजपा जिलाध्यक्ष रवि बतान ने कहा हमें स्वतंत्रता ऐसे ही प्राप्त नही हुई बल्कि इसको पाने के लिए बहुत भारी तादाद में शहादते देनी पड़ी। उन्होंने कहा 23 मार्च यानि आज के दिन का देश की स्वतंत्रता मे विशेष महत्व है आज के दिन हमारे वीर जांबाजो ने देश की आजादी के लिए हस्ते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। जिलाध्यक्ष ने शहीद भगत सिंह के विचारो को पार्टी कार्यकर्ताओ के साथ साझा किया और कहा हमे देश को सशक्त एवम शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अपने इन महापुरुषो के विचारो को आत्मसात करना होगा। इस अवसर पर चेयरमैन धर्मबीर डागर, जय सिंह पाल, जिला महामंत्री तेजेंद्र गोल्डी, अनुमाल्यान, सतपाल मास्टर, महेश पार्चा, जिला मीडिया प्रमुख शैलेश वत्स, सह मीडिया प्रमुख दिवाकर, विनीत बजाज, गौरव भट्ट, प्रतीक सुधा, गुरमुख आदि मौजूद रहे।

शहीदों के बलिदान से लोगों को कराया अवगत

कुरुक्षेत्र। सेंट्रल पैरामिलेट्री पुलिस फोर्स पर्सनल संगठन और अर्द्ध सैनिक बल के जवानों ने कुरुक्षेत्र की विवेकानंद कॉलोनी में शहीदी दिवस पर 2 मिनट का मौन रखकर पूरी श्रद्धा के साथ मनाया। शहीदी दिवस कार्यक्रम में हरियाणा डेयरी एवं पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। गांव कैंथला खुर्द के सरपंच मास्टर बलदेव सिंह सैनी भी विशेष रूप से उपस्थित हुए। शहीदी दिवस कार्यक्रम में सर्वप्रथम शहीदों के चित्र पर सभी ने पुष्पअर्पित कर नमन किया। मुख्य अतिथि धर्मवीर मिजार्पुर ने कहा कि जो कौमें अपने शहीदों को याद नहीं रखती वह जल्दी ही समाप्त हो जाया करती हैं। आज हम शहीदों की बदौलत ही खुली हवा में सांस ले रहे हैं। कैंथला खुर्द के सरपंच मास्टर बलदेव सिंह सैनी ने कहा कि सभी ने भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद इत्यादि शहीदों से राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा लेनी चाहिए। शहीदी कार्यक्रम में गुरदयाल सिंह इंस्पेक्टर ,सतबीर सिंह सब इंस्पेक्टर आइटीबीपी, एएसआई रोशन लाल, हवलदार महेंद्र सिंह बीएसएफ, हवलदार अमर सिंह सीआरपीएफ , कुलदीप सिंह सैनी आदि रहे।

केयू में शहीदी दिवस के अवसर पर किए श्रद्धासुमन अर्पित

शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आजादी के आंदोलन में शहीदों ने जिस तरह से अपना बलिदान दिया, इस देश की आने वाली पीढ़िया उनकी शहादत को हमेशा याद रखेंगी। आज हमें भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव व तमाम्-शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शो को अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। भारत देश इन महान सपूतों का हमेशा ऋणी रहेगा । इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, प्रो. परमेश कुमार, डॉ. हुकम सिंह, डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, प्रो. जसबीर सिंह, प्रो. कुसुम लता, डॉ. सोमवीर जाखड़, डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. दिनेश खटकड़, डॉ. चन्द्रकांत, डॉ. जितेन्द्र खटकड़, डॉ. गुरचरण सिंह, उप-कुलसचिव डॉ. दीपक शर्मा, राजपाल सहित शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

लाडवा। अनाजमंडी में अपने समर्थकों के साथ भाजपा नेता संदीप गर्ग।

ईडी का काम जांच करना, मैंने एजेंसी का किया पूरा सहयोग : संदीप गर्ग

लाडवा। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने शनिवार को लाडवा अनाजमंडी में स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों से वातार्लाप करते हुए कहा कि यह ईडी वाला काम जो उनके साथ हुआ है वह उनकी बढ़ती लोकप्रियता को लेकर विरोधियों द्वारा करवाया गया है। समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि उन्होंने कोई गुनाह नहीं किया है और वह एक बिजनेसमैन है और बिजनेसमैन के कारण उन पर इस प्रकार जांच का कार्य उनके विरोधियों द्वारा करवाया गया है। जिसको लेकर जांच के दौरान उन्होंने ईडी का पूरा सहयोग किया और ईडी की टीम अपनी जांच पूरी करके दिल्ली के लिए रवाना भी हो गई है। जो व्यक्ति सच्चा होता है उसके साथ परमात्मा होता है। उन्होंने कहा कि वह पिछले लगभग 9 साल से लाडवा हल्के की जनता की सेवा करने पर लगे हुए हैं और आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जो उनके द्वारा रसोइयां चलाई जा रही है, वह आगे भी निरंतर चलती रहेगी, चाहे भले ही मैं रहूं या न रहूं लेकिन हलके की जनता की सेवा होती रहेगी।

चुनाव प्रचार की परमिशन को करें ऑनलाइन आवेदन

कुरुक्षेत्र। भारत चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों और लोकसभा आम चुनाव 2024 में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के लिए हेलीकॉप्टर, व्हीकल , लाउडस्पीकर , एयर बैलून सहित 14 तरह की परमिशन घर बैठे लेने की सुविधा उपलब्ध करवाई है। इस सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने सुविधा.ईसीआई.जीओवी.इन साइट व ऐप तैयार की है। अहम पहलू यह है कि 4 तरह की परमिशन जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी जाएगी। जबकि 14 तरह की परमिशन संबंधित एआरओ कम एसडीएम द्वारा दी जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव 2024 में राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए ऑनलाईन आवेदन करने और विभिन्न तरह की ऐप की तैयार की है।

बाजारों में रौनक, आज होगा होलिका दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

रंगों का पर्व होली 25 मार्च को मनाया जाएगा। चारों तरफ होली को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। बाजारें भी पूरी तरह से सज चुकी हैं। खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी है। परदेशियों का अपने घरों की ओर लौटना शुरू हो चुका है। घरों की रसोईयों में पकवान बनने का सिलसिला भी जारी है। रविवार को मुहूर्त में अपनी सुविधानुसार लोग होलिका दहन करेंगे। इसके बाद रंग बरसना शुरू हो जाएगा। होली के पर्व पर नगर के चौक बाजार में रंगों से लेकर विभन्न प्रकार की मिठाईयां, गुझिया, चिप्स, पापड़, नमकीन की दुकानें गुलजार हो गई हैं। इस बार चिप्स व पापड़ 100 रुपए से लेकर चार सौ रुपए प्रतिकिलो तक बिक रहे हैं। जिले में ज्यादातर लोग बाजार से खरीदने के बजाए गुझिया घरों में ही बनवाते हैं। इस कारण किराने की दुकानों भी भीड़ देखने को मिल रही हैं। रंग-अबीर व गुलाल की भी बड़ी मात्रा में खरीदारी जारी है। होलिका दहने की तैयारियों में ग्रामीण से लेकर शहर के युवा पूरी तैयारी में हैं। रविवार को होलिका दहन के साथ ही सोमवार की होली की तैयारियों में उत्साह दिख रहा है। एक ओर जहां बाजार में त्योहार की खरीदारी की भीड़ उमड़ रही है। वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन की ओर से व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।

कुरुक्षेत्र। रंगों व पिचकारियों की खरीदारी करते ग्राहक। फोटो : हरिभूमि

होली पर हुडदंगबाजी बर्दाश्त नहीं होगी: एसपी

पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने कहा कि हमें इस पावन पर्व के अवसर पर जिला में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। त्यौहार की आड में हुडदंगबाजी करने वाले शरारती तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। होली पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पर्याप्त व्यापक प्रबंध किए हैं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर नजर रखने के लिए विशेष बैरिकेड्स लगाकर नाकाबंदी करके चेकिंग के आदेश जारी किये गए हैं। इसके अतिरिक्त, होली समारोहों और सभाओं में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर गश्त के लिए पुलिस कर्मियों की संख्या भी बढ़ाई गई है। असामाजिक तत्वों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

लोकतंत्र को बचाने के लिए सुशील गुप्ता को विजय बनाकर लोकसभा में भेजें : अशोक अरोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा ने शहीदी दिवस पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुशील गुप्ता के चुनाव प्रचार अभियान का श्रीगणेश गांव खेड़ी मारकंडा से किया। इसके बाद गांव मझाड़ा, प्रतापगढ, कसेरला सिरसाला, रतनडेरा, हरियापुर और ज्योतिनगर में चुनावी सभाओं को संबोधित करके इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुशील गुप्ता को विजय बनाने की अपील की। इन जनसभाओं को इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन जलेश शर्मा, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व संगठन सचिव सुभाष पाली, चंद्रभान वाल्मीकि, रणबीर बूरा, सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा, तरसेम हरियापुर, आप जिला प्रधान विशाल खुब्बर, लोकसभा प्रधान सुमित पवन चौधरी सहित अनेक नेताओं ने संबोधित करते हुए सुशील गुप्ता के पक्ष में वोट देने की अपील की।

गीता ज्ञान संस्थानम में होली उत्सव 25 को

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में स्थित गीता ज्ञान संस्थानम में श्री कृष्ण कृपा गौशाला सेवा समिति और जिओ गीता परिवार की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गीतामनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में होली उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष सोमवार 25 मार्च को सुबह 9 से गीता ज्ञान संस्थानम में होली के रंग श्री श्री कृपा बिहारी जी व गौमाता के संग कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक राजू हंस श्रद्धालुओं को होली के रंग में प्रभु भक्ति के साथ संजोने का काम करेंगे। श्रीकृष्ण कृपा गौशाला एवं सेवा समिति के प्रधान हंसराज सिंगला ने बताया कि 25 मार्च को प्रातः 9 बजे से गीता ज्ञान संस्थानम में कार्यक्रम आरंभ हो जाएगा।

कुरुक्षेत्र। होली मिलन समारोह में मंचसीन अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

होली मिलन समारोह में पत्रकारों ने खेली फूलों की होली

कुरुक्षेत्र। शुगर फैडरेशन हरियाणा के चेयरमैन धर्मबीर डागर ने कहा है कि भारतीय त्यौहार आपसी भाईचारे का कायम रखने का काम करते हैं। छोटा मोटा कोई मुटाव यदि आपस मे पैदा भी होता है तो होली जैसे पर्वों पर सब भूल जाते हैं। वे शनिवार को मीडिया वेलफेयर क्लब द्वारा मल्टी आर्ट कल्चर सैंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होली मिलन समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर रहे थे। इस होली मिलन कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद डा. सुशील गुप्ता की धर्मपत्नी सुमित्रा गुप्ता, सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय मंत्रालय के पूर्व सदस्य सूरजभान कटारिया, दिल्ली की आप नेत्री साक्षी बंसल, वरिष्ठ अधिवक्ता जवाहर लाल गोयल, कांग्रेस नेत्री स्वीटी रंगा विशेष रूप से कार्यक्रम में पहुंची।

शिविर में 101 लोगों ने किया रक्तदान

कुरुक्षेत्र। लाला लाजपतराय सेवा समिति द्वारा पहला विशाल रक्तदान शिविर थैलीसिमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित अग्रवाल धर्मशाला में लगाया गया। 150 से अधिक लोगों ने रक्तरदान करने के लिए पंजीकरण करवाया। कल्पना चावला मेडीकल अस्पताल की टीम ने 101 रक्तदानियों से रक्त एकत्रित किया। शिविर का आयोजन संयोजक धर्मनगरी के प्रमुख समाजसेवी विशाल सिंगला द्वारा अपनी पूरी टीम के साथ किया गया था। लाला लाला लाजपतराय सेवा समिति के बैनर तले शहीदी दिवस लगाया शिविर।

राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने शहरी स्थानीय निकाय मंत्रालय का संभाला पदभार

कुरुक्षेत्र। थानेसर विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुभाष सुधा को अर्बन लोकल बॉडीज विभाग का राज्य मंत्री बनाया गया है। चंडीगढ़ सचिवालय में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यमंत्री को उनके विभाग की जिम्मेवारी सौंपी और कुर्सी पर बिठाया। इस दौरान प्रदेश के सभी कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री भी साथ मौजूद थे। राज्यमंत्री सुभाष सुधा अपने परिवार के सदस्यों के साथ मंत्रालय में पहुंचे थे। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग की जो जिम्मेवारी सौंपी है, वे इस जिम्मेवारी को पूरी ईमानदारी, सच्ची निष्ठा से पूरा करेंगे और सरकार की नीतियों के अनुसार विभाग का कार्य करेंगे। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि शहरी निकाय विभाग की जितनी भी योजनाएं है, उनको निर्धारित समयावधि के अंदर पूरा करेंगे। प्रदेश के शहरी क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज गति के साथ पूरा करवाएंगे। जो भी लंबित परियोजना होगी जल्द पूरा करवाया जाएगा।

अमर सिंह बने हजरास के जिला प्रधान

कुरुक्षेत्र। हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी की मीटिंग गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में संपन्न हुई जिसका मुख्य उद्देश्य जिला कार्यकारिणी व राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों का चुनाव करना था। इस अवसर पर पर्यवेक्षक की भूमिका राज्य कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश व पूर्व जिला प्रधान श्री राजपाल बामणिया जी ने की। सबसे पहले जिला कार्यकारिणी ने अपना लेखा-जोखा दिया व समस्त कार्यकारिणी को भंग करने का पत्र पर्यवेक्षक के सामने रखा व भंग किया गया। उसके बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें जिला प्रधान अमर सिंह, सचिव रामेश्वर लाल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजवीर कौल, कोषाध्यक्ष रामदिया बहल को बनाया गया है।

सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया ने लगाया रक्तदान शिविर

90 लोगों ने रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलसाना में शहीदी दिवस पर सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया की तरफ से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर मे जिला परिषद अध्यक्ष कुरुक्षेत्र कंवलजीत कौर ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा ट्रस्ट यूके भारत के चेयरमैन नरेश मित्तल व जिला कोऑर्डिनेटर पवन मित्तल ने की। उन्होने बताया कि सेवा ट्रस्ट यूके भारत की तरफ से शहीदी दिवस पर शहीदो की याद में गांव कलसाना में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जोकि एक बहुत ही नेक कार्य है। रक्तदान से न सिर्फ आपके शरीर पर बल्कि दिमाग पर भी पॉजीटिव असर पड़ता है। ब्लड डोनेशन से आप किसी जरूरतमंद की जान बचाते हैं, और साथ ही आपकी सेहत को भी कई फायदे होते हैं। रक्तदान से दिल की सेहत में सुधार होता है, वजन कंट्रोल में रहता है, कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम कम होता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष कंवलजीत कौर ने सबसे पहले शहीदो के चित्र पर पुष्प अर्पित किए ओर उनकी कुबार्नी को याद किया। समाजसेवी सुभाष कलसाना ने युवाओं को बढ़-चढ़कर रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि रक्त की कमी न रहे इसके लिए हमे समय समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। प्रधानाचार्य वीरेंद्र शर्मा, पूजा सैनी, विजय पघाल ने मौजूद सभी रक्त दाताओं का धन्यवाद किया ओर संस्था की को स्पॉन्सर डाबर इंडिया लिमिटेड की तरफ से सभी को रियल जूस गिफ्ट पैक भेंट किए गए।

शाहबाद। रक्तदाता को प्रमाण पत्र देते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्टेट कोऑर्डिनेटर पवन पराशर, पूर्व सरपंच विष्णु भगवान गुप्ता, दीपक आनंद, मास्टर अशोक कश्यप, माम चन्द झारोली, मास्टर नरेंद्र कलसाना, राकेश कलसाना, रविंदर सैनी, दीपक अनेजा, नरेंद्र शर्मा, अमित प्रधान व समस्त ग्रामीण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महिला को किया शामिल जांच

अंबाला। थाना बलदेव नगर में दर्ज मकान पर नाजायज कब्जा करने के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को शामिल जांच किया है। पीड़ति महिला ने 5 जनवरी 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 10 दिसंबर 2020 से 8 सितंबर 2023 के दौरान आरोपी विकास व अन्य ने मनमोहन नगर अंबाला शहर में स्थित उसके मकान पर नाजायज कब्जा करने का अपरधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी किरणपाल को गिरफ्तार किया है। पीड़ति महिला ने 6 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 18 फरवरी 2024 को गांव हसनपुर में आरोपी किरणपाल व अन्य ने उससे तथा उसके भाई से मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने का अपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

आरोपी को किया शामिल जांच

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज कार चालक द्वारा पीछे से मोटरसाईकिल में टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी दिलबाग अली को शामिल जांच किया है। पंजलासा के रोहित कुमार ने 17 अक्तूबर 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 5 अक्तूबर 2023 को आरोपी अभिषेक व अन्य ने कार द्वारा पीछे से उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार कर उस पर हमला किया था। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

उडान ट्रस्ट गुरप ने किन्नरों संग मनाई होली

सफीदों । नगर की सामाजिक संस्था उड़ान ट्रस्ट गुरप के तत्वावधान में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की महिला विंग की अध्यक्षा 'योति थनई की। इस मौके पर किन्नर गंगा मंहत अपनी टीम के साथ संस्था के कार्यालय पहुंचकर इस त्यौहार को संस्था की महिला पदाधिकारियों व कार्यकर्त्ताओं के संग मनाया। गंगा महंत ने होली के त्यौहार से जुड़े गीत गाए तथा जमकर नृत्य किया। इस मौके पर संस्था की महिला कार्यकर्त्ताओं ने फूलों व आर्गेनिक रंगों के साथ होली खेली।

शहीदों का बलिदान और अटूट समर्पण पीढ़ियों तक करता रहेगा प्रेरित

कांग्रेसियों ने शहीदों को किया नमन, प्रभातफेरी निकाल कर प्रतिमाओं पर चढ़ाए फूल

जैन बोले मौजूदा केंद्र सरकार शहीदों के देश की जनता के खिलाफ बना रही है जन विरोधी कानून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। शहीदों की प्रतिमाओं के सामने इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कांग्रेसी।

प्रदेश कांग्रेस मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष रोहित जैन ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शहीदों को नमन किया! इस दौरान जैन समेत सभी कार्यकर्ताओं ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। साथ ही देश की आज़ादी के लिए दी गयी उनकी शहादत को भी याद किया। इस दौरान कार्यकताओं ने प्रभातफेरी के जरिए इन्कलाब जिंदाबाद और शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव अमर रहे के नारे भी बुलंद किए। सभी कार्यकर्ताओं ने अम्बाला शहर के जेल लैंड रोड पर स्थित शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं पर नमन करते हुए आसपास सफाई भी की। इस दौरान सभी ने शहीदों के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि शहीदी दिवस देश की आजादी के लिए शहीदों का बलिदान और अटूट समर्पण पीढ़ियों तक प्रेरित करता रहेगा। साहस की प्रतिमूर्ति के रूप में वह हमेशा न्याय और स्वतंत्रता के लिए देश की अनवरत लड़ाई का प्रतीक रहेंगे। इस दौरान शहीदों की याद में कांग्रेसी कार्यकर्ता एडवोकेट निरंजन ० ओमप्रकाश ने रागिनी के जरिए शहीदों के जीवन पर प्रकाश डाला।

जैन ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है ज़ोर कितना बाजु-ए-कातिल में है' के नारे ने देश के युवाओं में नए जोश का संचार किया था। उन्होंने कहा कि शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव के देश प्रेम को व बलिदान को युगों युगों तक देशवासी याद रखेंगे। एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के ऐसे मजबूत स्तंभ हैं जिनकी देशभक्ति व मातृभूमि के प्रति समर्पण ने न सिर्फ जीते जी जन-जन में विदेशी शासन के अत्याचारों के विरुद्ध स्वाधीनता की अलख जगाई बल्कि उनका बलिदान हर भारतीय को राष्ट्रसेवा हेतु प्रेरित करता है। शहीद भगत सिंह चाहते थे कि मनुष्य के हाथों मनुष्य की लूट बंद हो परंतु आज के युग में केंद्र सरकार अपनी मनमर्जी से बिल पास कर देश के अन्नदाता, खेत मजदूर, छोटा दुकानदार और आम व्यक्ति को लूट रहे हैं। शहीद-ए-आजम भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी साथियों का सपना था - असमानता, शोषण, गरीबी और अन्याय से मुक्ति। लेकिन जनता के खिलाफ, लूट को बढ़ावा देने वाले कानून बनाए जा रहे हैं। देश की संपत्तियों की खुलेआम लूट हो रही है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर तरुण चुघ, कुलदीप सिंह गुल्लू, उपाध्यक्ष हरजीत बब्बल, खुशबीर वालिया, रोहित गर्ग, किरण राणा, एडवोकेट संदीप शर्मा, एडवोकेट गौरव कुकरेजा, राजन मेहंदीरत्ता, एडवोकेट दविंदर सांगवान, एडवोकेट अनमोल सैनी, पुरषौत्तम, अश्वनी कुमार, अजय गौड़, कुलविंदर रिंकू, पवन सोनी, चरणपाल सिंह, अमित जैन, बलबीर सिंह, परवीन बक्शी, नवीन गुप्ता, राहुल अग्रवाल, राजेश शर्मा, वरुण शर्मा आदि मौजूद रहे।

अंबाला। ग्रामीणों को मतदान के लिए जागरुक करती आर्य कॉलेज की छात्राएं।

छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के साथ मतदान के प्रति भी किया जागरूक

- आर्य कॉलेज की ओर से टुंडली गांव में आयोजित किया जा रहा है एनएसएस शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के आर्य गर्ल्स कॉलेज की एनएसएस यूनिट के सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन की शुरूआत योग व एनएसएस गीत के साथ हुई। प्रथम सत्र में स्वावलंबी भारत अभियान से श्री कपिल मदान ने स्वयंसेविकाओं को पढ़ाई के साथ-साथ किस प्रकार का स्वरोजगार किया जा सकता है, स्टार्ट अप कैसे किया जाए, रूचि के अनुसार अपने आप को किस प्रकार स्वाबलंबी बनाया जाए जिससे की छात्राएं स्वयं की पढ़ाई एवं स्वयं का खर्चा निकाल सकें और आत्मनिर्भर बनने के गुर सीख सकें, इन विषयों पर प्रकाश डाला। स्वयं सेविकाओं ने मदान से स्वयं निर्मित वस्तुओं को किस माध्यम से बेचा जाए और व्यापार कैसे किया जाए पर तर्क-वितर्क किया गया। दोपहर के सत्र में ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस पर डॉ. यशपाल वर्मा और डॉ.पूजा ने व्याख्यान दिया। इसमें स्वयंसेविकाओं को कैंसर से बचाव तथा भ्रांतियां दूर की गई। इसके बाद गोद लिए गांव टुंडली में जाकर महिलाओं को कैंसर की बीमारी के बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं को गांव टुंडली में मतदान अभियान के तहत ''मेरा पहला वोट देश के लिए'' पर घर-घर जाकर वोट बनवाने के लिए एवं अपने मतदान का सदुपयोग करने के लिए अभियान चलाया। इसी के साथ-साथ पोस्टर बनाकर गीला कूड़ा एवं सूखा कूड़ा, पराली एवं फसल अवशेष के प्रबंधन के बारे में बताया किस तरह वह गीले कूड़े से खाद बना सकते हैं।

एमपीएन कॉलेज में तिलक लगाकर फूलों के साथ खेली गई होली

- एक दूसरे को दी शुभकामनाएं

बराड़ा। कार्यक्रम के दौरान शामिल स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

महाराणा प्रताप नेशनल महाविद्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्टाफ व स्टूडेंटस से रंग लगाकर होली पर्व मनाया। कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधन समिति के महासचिव डॉ. कुंवर वीरेंद्र सिंह ने मुख्य रूप से शिरकत की। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. राजश्री खरे ने कहा कि होली प्रकृति और प्रेम में लीन होने का त्यौहार है। उन्होंने सभी को तिलक लगाकर व फूलों से होली खेल कर सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा होली का त्योहार रंगों का त्योहार है। यह हर धर्म, संप्रदाय, जाति के बंधन की सीमा से परे जाकर लोगों को भाईचारे का संदेश देता है। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय में मिठाइयां बांटी गई और एक दूसरे को होली की बधाइयां दी गई। इस कार्यक्रम में सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

शहीद हमारे लिए प्रेरणादायक, देश को संभालकर रखना हमारी जिम्मेदारी

- पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने शहीदों को किया नमन, कहा समय से पहले अंग्रेजों ने तीनों को देशभक्तों को दी फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव आज भी ऐसा नाम है जो हम सभी को प्रेरणा देता है। यह नाम बताते हैं कि आजादी हमें यूं ही नहीं बल्कि बहुत कुर्बानी देकर मिली है। हमें इस देश को संभाल एवं संवार कर रखना चाहिए तथा इसे मजबूत बनाना चाहिए। विज शनिवार को शहीदी दिवस के अवसर पर अम्बाला छावनी के लघु सचिवालय में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दिन जालिम अंग्रेज हुकूमत जोकि इतना डरती थी कि निर्धारित समय से भी पहले उन्होंने भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव को फांसी दे दी। इनकी शहादत से सारे हिंदुस्तान में इंकलाब, भारत माता की जय के नारों की सुनामी आ गई। घरों में युवाओं व समस्त हिंदुस्तानियों की रगों में रक्त दौड़ने लगा और इसी से डरकर 15 अगस्त 1947 में अंग्रेज भारत छोड़कर चले गए। इससे पहले पूर्व मंत्री अनिल विज ने भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और "इंकलाब जिंदाबाद" के नारे लगाए। इस दौरान भारी संख्या के मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर, विजेंद्र चौहान, किरणपाल चौहान के अलावा संजीव सोनी, बीएस बिंद्रा, श्याम सुंदर अरोड़ा, फकीरचंद सैनी, नरेंद्र राणा, राम बाबू यादव, ललित चौधरी, रवि सहगल, जसबीर जस्सी, अजय बवेजा, सतपाल ढल सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंबाला। शहीदे आजम भगत सिंह को नमन करते पूर्व गृहमंत्री अनिल विज।

देवी मंदिर में शहीदों को किया नमन राष्ट्र प्रेम की प्रतिबद्धता दोहराई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

मुलाना। श्रद्धांजलि समारोह में भाग लेते लोग।

जाट महासभा के तत्वाधान में देवी मंदिर के परिसर में एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन कर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के चित्र पर नमन कर व पुष्प अर्पित किए गए। इस दौरान सभी ने राष्ट्र प्रेम की प्रतिबद्धता दोहराई गई। कार्यक्रम में नरेंद्र बिलमा अध्यक्ष तथा करम चंद बिट्टू, मंदीप बोपाराय,राजकुमार सांगवान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन समाज सेवक साहब सिंह द्वारा किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में वीर शहीदों का चरित्र-चित्रण करते हुए कहा कि यह मां भारती के वीर सपूत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आजीवन लोहा लेते रहे तथा हंसते हुए मौत को गले लगा कर राष्ट्र प्रेम का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर एक नया इतिहास रच गए। हम स्वतंत्र देश भारत के लोग युग- युगांतर तक उनके बलिदान के प्रति कृतज्ञ व ऋणी रहेंगे। आने वाली पीढ़ियों के लिए इन वीर शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। इस मौके पर सामाजिक संस्था सेवा ट्रस्ट यूके भारत के प्रांतीय समन्वयक पवन पराशर द्वारा जूस व जलपान का प्रबंध किया गया।

चाकू की नोक पर लूट की वारदात, डेढ़ साल के मासूम की गर्दन पर रखा चाकू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

दिन दहाड़े बदमाश घर में घुस चाकू की नोक पर लूटपाट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। घर पर 13 साल की बच्ची और उसका डेढ़ साल का छोटा भाई था। बदमाश ने डेढ़ साल के मासूम की गर्दन पर चाकू रखा था। बच्ची को धमकी दी कि जो भी घर में जेवर और कैश है, ले आओ, नहीं तो मार दूंगा। बच्ची के माता-पिता किसी से बाहर गए हुए थे। बदमाश के फरार होने के बाद बच्ची ने अपने पिता के पास कॉल करके लूट की वारदात के बारे में सूचना दी। अंबाला शहर पुलिस को दी शिकायत में गांव अमीपुर के रिंकू ने बताया कि वह रणजीत नगर में किराए पर रह रहा है। उसके पास बेटी और एक बेटा है। वह आज शनिवार सुबह साढ़े 9 बजे अपनी पत्नी जोगिंदर कौर के साथ प्रेम नगर में किसी काम से गए थे। शिकायतकर्ता ने बताया कि घर पर उसकी बेटी वंशिका (13 साल) और डेढ़ साल का बेटा गुरकिरत था। सुबह सवा 10 बजे उसकी बेटी ने कॉल करके बताया कि हमारे घर पर काले कपड़े पहने हुए एक युवक आया, जिसके हाथ में चाकू था। बदमाश ने चाकू को उसके बेटे की गर्दन पर रखा और बेटी को धमकी दी कि जो भी सामान गहने व कैश है वह बाहर निकाल दे। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी बेटी ने डर के चलते 30 हजार रुपए कैश, सोने की 2 बालिया, 2 अंगूठी, चांदी का कंगन व पाजेब निकाल कर दे दी। बदमाश उसके घर से एक सूट और बेटी स्नेहा की शादी का कार्ड भी ले गया। बदमाश उसकी बेटी को धमकी देकर गया कि तेरा पिता को तो मार दूंगा।

- चाकू की नोक पर लूट की वारदात, डेढ़ साल के मासूम की गर्दन पर रखा चाकू

शहीदों की कुर्बानी से ही मिली आजादीः चौधरी

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

शहीदी दिवस पर विधायक वरुण चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि देश पर हुए शहीदों की कुर्बानी की वजह से ही हमें आजादी मिली है। शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, ऊधम सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमकर अपने प्राणों की आहूति दी थी। यह एक संयोग ही था कि जब उन्हें फांसी दी गई। उन्होंने संसार से विदा ली, उस वक्त उनकी उम्र 23 वर्ष 5 माह और 23 दिन थी और दिन भी था 23 मार्च। सारा देश उनके बलिदान को बड़ी गंभीरता व सम्मान से याद करता है। शहीद भगत सिंह की शहादत से न केवल अपने देश के स्वतंत्रता संघर्ष को गति मिली बल्कि नवयुवकों के लिए भी वह प्रेरणा स्रोत बन गए।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर केंद्र में बनेगी भाजपा सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पूर्व मंत्री एवं रा'यसभा सांसद कृष्ण पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भाजपा की फिर से सरकार बनेगी। हरियाणा में छठे चरण में 25 मई को लोस के लिए मतदान होने जा रहा है। आज देश हर क्षेत्र मे देश मजबूत है और सुरक्षित भी है। जिसके चलते देश की गिनती ताकतवर देशों में होती है।

सांसद कृष्ण पंवार शनिवार को भाजपा के जिला प्रधान राजू मोर के आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के देशभर में 18 करोड़ कार्यकर्ता हैं। पहले देश आर्थिक मामलों में 15वें नबर पर था। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व में पांचवें स्थान पर है। भाजपा सरकार बनते ही 2024 में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। पहले वैपन का आयात करते थे। आज मेड इन इंडिया 90 प्रतिशत वैपन हैं। पांच सौ साल बाद राम मंदिर बना है। धारा 370 को समाप्त कर नया इतिहास रच दिया है। जिस समय जम्मू-कश्मीर को धारा 370 के तहत विशेष दर्जा दिया जा रहा था। उस दौरान संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर तथा श्यामा मुखर्जी ने विरोध किया था। भाजपा ने महापुरूषों को हमेशा मान सम्मान दिया है। चाहे वह बाबा भीमराव अंबेडकर या फिर कपूरी ठाकुर या फिर चौधरी चरण हो, सभी को भारत रत्न दिया गया।

आयुष्मान कार्ड व बुढ़ापा पेंशन लगवाने के लिए भटक रहे लोगः चित्रा

बढ़ती महंगाई और बेरोजगार युवाओ को देख परेशान हो रही महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। हर घर कांग्रेस अभियान के दौरान लोगों से मुलाकात करते कांग्रेसी नेत्री चित्रा सरवारा।

कांग्रेस नेत्री चित्रा सरवारा ने शनिवार को अंबाला छावनी के विजय रतन चौक से घर घर कांग्रेस हर घर कांग्रेस अभियान की शुरुवात की।घर घर कांग्रेस हर घर कांग्रेस कार्यक्रम विजय रतन चौक से होता हुआ सदर बाजार,बर्तन बाजार,सराफा बाजार,बजाजा बाजार से होता हुआ विजय रतन चौक पर समाप्त हुआ।इस अवसर पर पूर्व डिप्टी मेयर सुधीर व यादव समाज के प्रधान करण यादव भी साथ मौजूद रहे। इस अभियान में लोगों से मुलाकात के बाद आ रही समस्याओं पर बोलते हुए चित्रा ने कहा की आयुष्मान कार्ड व बुढ़ापा पेंशन लगवाने की जटिल व आपारदर्शी व्यवस्था के कारण जनता की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने विभिन्न तरह के पोर्टल तो बना दिए लेकिन पोर्टल के चक्कर मे जनता के चक्कर बंधवा दिए। परिवार पहचान पत्र के नाम पर लोगों को इन पोर्टल के ना चलने से रोजाना चक्कर काटने पड़ रहे है। अगर यह पोर्टल व्यवस्था गरीब, मजदूर, दिहाड़ीदार व्यक्ति को दुख देने वाली है तो तुरंत इसको सरकार को रद्द कर देना चाहिए।

आयुष्मान कार्ड व बुढ़ापा पेंशन लगवाने के लिए लोग दर-दर भटक रहे है लेकिन आपारदर्शी व्यवस्था के कारण आयुष्मान कार्ड व पेंशन के बारे सीएससी सेंटर वाले एक ही बात कह देते है कि पोर्टल बंद है या नही चल रहा। राशन कार्ड कटने की व्यथा भी महिलाओं ने चित्रा सरवारा से सांझा करी और बताया कि आमदनी को आधार बनाकर गरीबों का पीला कार्ड काटकर सरकार गरीब की रोटी छीन रही है। आज बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी के कारण गरीब आदमी दो वक्त की रोटी के लिए भी मोहताज है। पीला राशनकार्ड गरीब की आजीविका का सहारा था। सरकार ने उस आमदन को आधार बनाकर लगभग 10 लाख लोगो के पीले राशनकार्ड काट दिए हैं। इसके साथ ही ऐसे बिजली के मीटर पर भी लोगों के परिवार पहचान पत्र पर चढ़ा दिए गये जो उसके है ही नही और जिन्हे कटवाने के लिए उसे चक्कर लगाने पड़ रहे है। उन्होंने कहा इस परेशानी को देखते हुए कॉग्रेस पार्टी ने कुछ वायदे लोगों से किये है की सत्ता में आते ही कांग्रेस सरकार बनने पर 6000 रुपये बुढ़ापा पेंशन देंगे। हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। हर गृहणी को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर,कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन,गरीब,पिछड़े,दलित परिवारों के लिये 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट की योजना दोबारा शुरु होगी,इंदिरा आवास योजना के तहत मकान बनवाने के लिये साढ़े 3 लाख रुपये की किश्त भी सरकार देगी। हरियाणा में कच्ची भर्ती नीति खत्म कर रिजर्वेशन, पेंशन के साथ पक्की भर्ती शुरु होगी।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024

तन रंग लें-मन रंग लें

जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

{ पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा }

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लौकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'*

या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए

ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/ अवध में होली खेले रघुबीरा।

नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

{ होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नेहिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।

सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

{ उल्लासोत्सव / कुमार राधारमण }

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

रंग-उमंग-तरंग समेटे

विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटाः फाल्गुन पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड में कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती हैं और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल -इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

कृषि से भी है संबंधितः यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूपः समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

{ आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज जी }

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम सेः इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसरः हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भः पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ढुंढला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थः विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है।

'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

{ हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय }

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

{ हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय }

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-

हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

{ कुंडलियां / श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' }

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम कै, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

{ लघुकथा / अशोक वाधवाणी }

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग को इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

फागुन के दिन चार रे रसिया

होली के स्वरूप में भले ही अब काफी कुछ बदल चुका है। लेकिन इस पर्व का मूल स्वरूप लोकसंस्कृति, पुराण, प्रकृति परिवर्तन और जीवन की सकारात्मकता से जुड़ा है। रंगोत्सव, हमें न केवल अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज से जोड़ता है, साथ ही अपने गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर और लोकरंग से भी संबद्ध करता है।

लोकपर्व
सुधा रानी तैलंग

जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से भरने, रंगों का त्योहार होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और प्रीत राग की बौछार लेकर आया है। रंग पर्व के स्वागत में अमलतास और पलाश के पेड़, पुष्प गुच्छों से आच्छादित हो गए हैं। आम के पेड़ों पर बौर आ गए हैं। हर ओर प्रकृति वसंत के उत्सव में मगन नजर आ रही है।

सुनाई देते हैं फाग के मोहक सुर

वसंत ऋतु के आते ही समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है। माघ शुक्ल पंचमी से ही ग्रामीण अंचलो में फाग गाना शुरू हो जाता है। वैसे होली के त्योहार का विधिवत आरंभ वसंत पंचमी से हो जाता है। तभी से लेकर होली तक हर उत्सवप्रेमी मन मौज-मस्ती, रंग, अबीर, ढोल-मजीरे की थाप के संग पुलकित,चंचल हो उठता है। मन गुनगुनाने लगता है, *अब दिन आए वसंती नीरे।*

हास-परिहास संग संगीत का उत्सव

होली हास-परिहास, मौज-मस्ती, व्यंग्य-विनोद का उत्सब है। अबीर- गुलाल के रंगों की इंद्रधनुषी फुहार, टेसू के केसरिया रंग, भांग, ठंडाई और गुझियों की मिठास के संग होली के हुरियारों और मसखरों की टोली, घर-घर से लकड़ियां और चंदा मांगते बच्चे, ढोल, डफली, झांझर और मांदल के उमगते सुरों में फाग के फड़, फगुआ, होरी गारी गीत और लोक गीतों की सुर संगीत लहरियों के संग, चहुंओर उल्लास और खुशियों के रंग भर देती है। खासकर ग्रामीण अंचल में फागें समूचे परिवेश को रंगमय-संगीतमय कर देती हैं-

फागुन आयो फागुन आयो रे,
रंग दे रसिया,
होली खेलूं रसिया, फागुन आयो।

तन-मन हो उठता है पुलकित

फागुन की दस्तक ही तन-मन को पुलकित कर देती है। होली में रंग-गुलाल की मस्ती छा जाती है। होली के दिन, लोग एक-दूजे को गले लगाते गुलाल का तिलक लगाकर शुभकामनाएं देते हैं और सामाजिक समरसता, सद्भाव के रंग बिखेरते हुए मजीरों की थाप पर जमकर थिरकते हैं। होली में युवाओं के संग बच्चों और बड़ों का हुजूम गलियों, चौराहों और सड़कों में मस्ती, उल्लास और उत्साह के संग चारों ओर सतरंगी रंगों को बिखेरता हुआ दिखाई देता है। बच्चों की टोली की मौज-मस्ती, हुड़दंग के संग एक-दूजे पर पिचकारी के रंगों की बौछार से समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है।

जुड़ी हैं कई सांस्कृतिक मान्यताएं

भारतीय संस्कृति में होली का पौराणिक महत्व भी है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य का प्रतीक लोक पर्व भी है। पुराणों के अनुसार प्रथम पुरुष मनु का जन्म भी इसी तिथि पर हुआ था। इसीलिए इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। भगवान शंकर के द्वारा अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म करने के कारण इसे मदनोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। प्रकृति के अंगड़ाई लेते ही वसंत उत्सव के बाद नए अनाज के आगमन की खुशी में नव शस्येष्टि पर्व के रूप में मनाए जाने का उल्लेख प्राचीन ग्रंथो में भी मिलता है। होलिका दहन वैदिक सोम यज्ञ की परंपरा का वाहक है। फाल्गुन पूर्णिमा पर अन्न पकने पर जौ और गेहूं की बालियों को देवताओं को समर्पित करने के बाद ही उपभोग करने की परंपरा रही है। यह परंपरा आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। साथ ही होली में मंत्रोच्चारण के साथ गेहूं, चने की बालियां, नव अन्न के साथ धृत, पुष्प, जड़ी-बूटियां, गोबर के उपले, कंडे और सुगंधित द्रव्यों को अग्नि में समर्पित कर वातावरण को शुद्ध, परिष्कृत करके धूम्र कण बादलों को आमंत्रण देते हैं और वर्षा होती है। साथ ही होलिका दहन से अहंकार, ईर्ष्या और बुराइयों का विसर्जन होकर समूचे परिवेश मे सौहार्दता और प्रेम का बातावरण निर्मित होता है।

मथुरा में फूलों वाली होली खेलते स्थानीय लोग

विश्वप्रसिद्ध ब्रज मंडल की होली

होली का लोक पर्व पूरे देश में कई तरह के रंग बिखेरता है। लेकिन विशेष रूप से इस पर्व का ब्रज से गहरा नाता है। मथुरा, वृंदावन, ब्रज मंडल के मंदिरों में फाग के रंगों की फुहार और फूलों की बौछार तो समूचे विश्व के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बरबस ही आकर्षित करती है। जिस तरह द्वापर युग में ब्रज में होरी खेलते हुए भगवान श्री कृष्ण और उनके सखा, गोपियों के संग राधा को रंगों में सराबोर कर देते हैं। वो परंपरा आज भी चली आ रही है।

रंगोत्सव और उसमें निहित संदेश

होली के रंग जीवन में खुशियों के रंग भर देते हैं, चारों ओर, प्रेम, एकता के रंग बिखर जाते हैं। वैर भाव छोड़ सब एक-दूजे को प्रेम के रंग से रंग देते हैं। स्नेह प्रेम रंग में रंगे प्रेमी के लिए पूरा संसार ही रंगमय हो जाता है। होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी में उड़ती गुलाल और अबीर से पूरा आसमान ही सतरंगा हो जाता है। तभी तो हुरियारे कह उठते हैं, उड़त गुलाल लाल भए अंबर।

पौराणिक मान्यता के अनुसार होली में समूचे आसमान में गुलाल, अबीर का रंग उड़ाने से रजोगुण और तमोगुण के प्रभाव कम होकर उत्सव का सात्विक स्वरूप निखरता है और देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। मान्यता है, इस दिन रंग और अबीर से खेलने पर नकारात्मकता का विनाश होता है और निराशा दूर होती है। मन के विकार दूर होते हैं। चारों ओर सकारात्मक प्रवाह आता है। गुलाल के स्पर्श से लोगों के व्यक्तित्व और विचारों में सकारात्मकता आती है। होली के रंग हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने और दूसरों के जीवन को भी खुशियों से सराबोर रखें। *

उल्लास
भूपसिंह 'भारती'

होळी की खुम्मारी

बरसाओ रंग-गुलाल, होळी सै मतवारी।
होळी म्हं कस कै मार, यार तू पिचकारी।।
खेलै होळी छैल-छबीली,
गोरी हो गई रंग-रंगीली,
अंगिया काळी-पीळी, हुई बलमा म्हारी।
फागण आयो यो मस्तानों,
मस्त अदा कर री दीवानों,
दूंगी भोत उल्हाणों, करी जो बदकारी।

बलमा खेलण आयो होळी,
कस कै भरली मोरी कोळी,
रंगग्यो दामण चोली, मार कै पिचकारी।
होळी को यो गजब अखाड़ों,
बजै 'भारती' ढोल नगाड़ों,
माड़ो होग्यो जाड़ो, होळी की खुम्मारी।

रंगों का संबंध केवल होली खेलने से ही नहीं होता है। कौन-सा रंग आपको पसंद है, इससे आपके मिजाज और व्यक्तित्व के राज का भी पता चलता है, कैसे बता रहे हैं आपको।

रंगों की पसंद बताती है आपके मिजाज का राज

पर्सनालिटी
शिखर चंद जैन

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों की मानें तो किसी व्यक्ति की रंग की पसंद से उसके व्यक्तित्व और स्वभाव का काफी हद तक पता लगाया जा सकता है।

सफेद रंगः सफेद रंग अधिक पसंद करने वाले दूरदर्शी और आशावादी माने जाते हैं। ये लोग प्लानिंग करने में माहिर होते हैं, इसीलिए अधिकतर कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग वर्कलाइफ और पर्सनल लाइफ में अच्छा बैलेंस बनाए रखते हैं। जो सफेद रंग पसंद करते हैं, वे शांति प्रिय होते हैं। नए लोगों से जल्दी मित्रता नहीं बढ़ाते हैं। किसी भी नए स्थान पर या नए लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करते क्योंकि ये संकोची स्वभाव के होते हैं।

लाल रंगः लाल रंग पसंद करने वाले हमेशा सजग रहते हैं। इनके जीवन में प्रेम का बहुत अधिक महत्व होता है। ये लोग अच्छे प्रेमी सिद्ध हो सकते हैं। लाल रंग उत्साह और जोश का प्रतीक है और इसी वजह से इसे पसंद करने वाले जोशीले होते हैं। ये लोग जीवन को पूरे उत्साह के साथ जीते हैं। दूसरों के स्वभाव को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और स्वयं को उसके मुताबिक एडजस्ट कर लेते हैं।

पीला रंगः पीले रंग के शौकीन आमतौर पर हंसमुख स्वभाव वाले होते हैं। ये जीवन को सकारात्मक रूप में जीते हैं। ये लोग नए विचारों को अपनाने में यकीन रखते हैं। खुले मन के होने के कारण ये दूसरों को सही मार्गदर्शन देते हैं। सभी की मदद के लिए तैयार रहते हैं। विपरीत समय में भी यह ईमानदारी के साथ कार्यों में लगे रहते हैं और अपनी विल पावर के बूते सफल हो जाते हैं।

नीला रंगः नीले रंग को पसंद करने वाले स्वाभिमानी होते हैं। ये मदद लेना पसंद नहीं करते हैं। अपने प्रेमी को पूरा समय देते हैं और उसकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। इन्हें भरोसेमंद माना जा सकता है। किसी का विश्वास नहीं तोड़ते हैं और किसी अन्य व्यक्ति पर आसानी से विश्वास भी नहीं करते हैं। मित्रता करने से पहले पूरी सावधानी रखते हैं और जब इन्हें यह सुनिश्चित हो जाता है कि व्यक्ति मित्रता करने योग्य है, तब ही मित्रता करते हैं। अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी शिद्दत से करते हैं।

हरा रंगः हरे रंग के दीवाने डाउन टू अर्थ स्वभाव वाले होते हैं। हर परिस्थिति में अपने स्वभाव को बनाए रखते हैं। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी सामान्य इंसान की भांति बने रहते हैं। यदि इनके आस-पास कोई दुखी व्यक्ति होता है तो उसके दुख बांटने का प्रयास करते हैं। ये बहुत शांतिप्रिय इंसान होते हैं। जिस प्रकार हरा रंग आंखों को सुखद अहसास देता है, ठीक वैसा ही स्वभाव हरा रंग पसंद करने वाला भी होता है।

गुलाबी रंगः जिन लोगों को गुलाबी रंग अधिक पसंद होता है, वे जीवनसाथी के प्रति काफी भावुक होते हैं और जीवन साथी का ध्यान रखने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक रहती हैं। मित्रों से विशेष स्नेह प्राप्त करते हैं। सभी लोगों से प्रेम से मिलते हैं। इनका स्वभाव काफी रोमांटिक होता है। ये लोग दूसरों के गुणों पर अधिक ध्यान देते हैं और बुराइयों को अधिकतर नजरअंदाज करते हैं।

भूरा रंगः जिन लोगों को ब्राउन (भूरा) कलर प्रिय होता है, वे लोग आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होते हैं। सफलता मिलने के बाद भी घमंड और अहंकार से दूर रहते हैं। इनका स्वभाव मित्रतापूर्ण और विनम्र रहता है, इस कारण अधिक सफल होने के बाद भी लोग सरल होते हैं। दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। दूसरों के दुखों को दूर करने का प्रयास करते रहते हैं। दूसरों को इनका साथ बहुत प्रिय होता है। कठिन परिस्थितियों को काबू करने के लिए धैर्य और मेहनत का सहारा लेते हैं। सूझ-बूझ से विपरीत हालातों से बाहर आ जाते हैं।

जामुनी रंगः जामुनी रंग पसंद करने वाले लोगों के स्वभाव में रचनात्मकता होती है, इस कारण किसी भी काम को अलग-अलग तरीके से करने में इन्हें मजा आता है। इन्हें भीड़ का हिस्सा बनना पसंद नहीं होता है। भीड़ से अलग काम करने पर अधिक विश्वास रखते हैं। ये लोग दूसरों की नकल करना पसंद नहीं करते हैं और ना ही ये चाहते हैं कि कोई इनके कामों की नकल करे। ये दूरदर्शी भी होते हैं।

काला रंगः जिन लोगों को काला रंग पसंद होता है, वे थोड़े रूढ़िवादी हो सकते हैं। साथ ही, इन लोगों को गुस्सा भी बहुत जल्दी आता है। इन्हें किसी भी काम में कोई बदलाव पसंद नहीं होता है। किसी भी प्रकार का बदलाव आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते हैं। ये लोग अपनी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं। इन्हें लोगों से उचित दूरी बनाए रखना पसंद होता है। *

उमंग-तरंग

मीठी-मीठी यादों के बीच प्रेम के प्यारे-प्यारे रंग

होली का पर्व हर कोई बहुत उत्साह-उमंग से मनाता है। छोटे पर्दे के कलाकार भी इसमें पीछे नहीं रहते। इनकी सबसे मीठी यादगार होली कब और क्यों रही? होली के पर्व को ये किस नजरिए से अहम मानते हैं? इस बार होली कैसे मनाएंगे? बता रहे हैं, चर्चित टीवी शोज के कुछ प्रमुख कलाकार।

होली पर किसी को भी छेड़ सकते हैं : विभव रॉय

इन दिनों स्टार भारत पर आ रहे शो 'शैतानी रस्में' में विभव रॉय राजकुमार पीयूष के लीड रोल में नजर आ रहे हैं। होली का जिक्र होने पर वह अपनी पिछले साल की होली याद करते हुए बड़े उत्साह से बताते हैं, 'अपनी पिछली होली मैंने यूएस में अपने भांजे के साथ मनाई थी। जहां हमने स्विमिंग पूल में रंग मिलाकर उसमें होली खेली और खूब मस्ती की थी। उस दिन मेरी बहन ने अपने हाथों से सभी के लिए गुझिया बनाई थी, जो बहुत टेस्टी थी। गुझिया के साथ ढेर सारे कैंडी, चॉकलेट्स भी सभी के लिए रखे गए थे। सबने मजे से खाया। मैं अपनी पर्सनल लाइफ में भी एक प्रैंक्स्टर हूं। सभी से हंसी-मजाक करता रहता हूं। होली से जुड़ी मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन आप किसी के भी रंग लगा सकते हैं, उसे छेड़ सकते हैं, उसके साथ मजाक-मस्ती कर सकते हैं। होली एक ऐसा दिन है, जब आपको अपनों के साथ हंसने-हंसाने का मौका मिलता है। इस होली पर मैं अपने शो 'शैतानी रस्में' की शूटिंग में बिजी रहूंगा, लेकिन शूटिंग के बाद अपने को-स्टार्स और क्रू मेंबर्स से साथ होली जरूर मनाऊंगा। आप सभी को होली की शुभकामनाएं!' *

रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का गरिमा परिहार

आजकल सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में गरिमा परिहार ने दीप्ति पारीख पटेल के किरदार में खूब रंग जमा रखे हैं। होली का जिक्र आते ही वह अपनी पिछले साल की खेली होली याद करती हैं,'बीते साल मैंने शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' की पूरी टीम के साथ बड़ी ही धूमधाम से होली खेली थी। असल में होली खेलना हमारे शो के एक सीक्वेंस का हिस्सा था। इसकी शूटिंग के दौरान जब भी हमें ब्रेक मिलता था, हम सभी एक-दूसरे पर पिचकारी चलाने लगते थे। जब पिचकारी से बात नहीं बनती तो बाल्टियों से भर-भर कर एक-दूसरे पर रंग वाला पानी डालते। यह सिलसिला करीब बारह घंटे चला, हमने खूब मस्ती की। मुझे होली से जुड़ी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन सभी लोग एक हो जाते हैं। भले ही हम अपनों से दूर क्यों न हों, लेकिन कोशिश यही रहती है कि होली के दिन सब मिलें। इस त्योहार पर रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का। इस बार की होली मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि होली वाले दिन ही मेरा जन्मदिन है। इस साल मैं अपना जन्मदिन, होली त्योहार के साथ मनाऊंगी। *

फिल्म-जगत / अशोक जोशी

होली के रंग हमारे बीच ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी दिखाई देते हैं। बॉलीवुड के कई निर्माता-निर्देशकों ने अपनी फिल्मों में होली के सतरंगी रंग बिखेरे हैं। फिल्मों में ये रंग कभी बदले या फिर विरह के रूप में दिखते रहे हैं। इनसे इतर प्रेम के गहरे रंग को भी कई बार होली के माध्यम से पर्दे पर दिखाकर दर्शकों के दिलों की धड़कनें बढ़ाई हैं। फिल्म के कथानक के साथ होली-गीतों को भी फिल्मों में बहुत खूबसूरत रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कई फिल्मों में होली के गीत इतने लोकप्रिय हुए कि आज भी होली के मौके पर दिनभर सुनाई देते हैं।

काफी पुराना है इतिहासः जहां तक फिल्मों में होली के दृश्यों की बात है तो इसका इतिहास काफी पुराना है। दिलीप कुमार की पहली फिल्म 'ज्वार भाटा' में होली नजर आई थी। फिल्म के निर्देशक अमिय चक्रवर्ती ने 1944 में होली के दृश्य शूट करके एक इतिहास रचा था। इसके बाद दिलीप कुमार की फिल्म 'आन', 'कोहिनूर' और 'सौदागर' में भी होली के रंग देखने को मिले। इसके बाद भी फिल्मों में होली नजर आती रही।

फिल्मों में होली के यादगार गीतः एक समय ऐसा आया जब फिल्मों में होली के गीत फिल्म का विशेष आकर्षण बन गए। फिल्मकार यश चोपड़ा ने तो इसमें उस दौर के निर्देशकों को बहुत पीछे

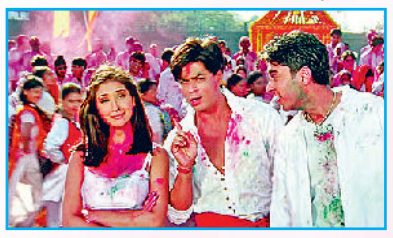

फिल्म 'मोहब्बतें' में कोएक्टर्स के साथ शाहरुख

छोड़ दिया था। अपनी फिल्म 'सिलसिला' में उन्होंने 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' होली का एक लोकप्रिय गीत दिया। इसके बाद 'मशाल' में 'होली आई, होली आई, देखो होली आई रे', 'डर' में 'अंग से अंग लगाना' और बाद में 'मोहब्बतें' में उनके बेटे निर्देशक आदित्य चोपड़ा ने 'सोनी-सोनी अंखियों वाली, ' में बड़े पर्दे पर होली के रंग बिखेरे। फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा 'नवरंग' का 'जा रे हट नटखट' और 'लम्हे' का 'मोहे छेड़ो न नंद के लाला' गाने ने भी होली का फिल्मों में प्रतिनिधित्व किया।

फिल्मों में होली के रंग खूब बिखरे हैं। दर्शकों के लिए होली एक विशेष आकर्षण रही है, विशेषकर होली के गीत। फिल्मों में होली, कहानी को आगे बढ़ाने या टर्निंग प्वाइंट लाने में बहुत कारगर साबित हुई है। फिल्मों में होली के रूप पर एक नजर।

फिल्मों में भी खूब बिखरे हैं होली के रंग

फिल्म 'बागबान' में अमिताभ के साथ हेमा

'शोले' में मस्ती के रंग में धर्मेंद्र-हेमा

स्टार्स ने खूब बिखेरे होली के रंग : फिल्मों में होली का रंग बिखेरने में स्टार्स खूब आगे रहे। इनमें अमिताभ-रेखा पर फिल्माया गया गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' आज भी याद किया जाता है। इस गीत के लंबे समय बाद अमिताभ ने हेमा मालिनी के साथ 'बागबान में 'होली खेले रघुवीरा' के जरिए एक बार फिर रुपहले पर्दे को रंगीन किया। अमिताभ, विपुल शाह की 'वक्त' में अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'डू मी, फेवर, लेट्स प्ले होली' गाते हुए भी खूब जंचे। हिंदी फिल्मों की एक और जोड़ी, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने होली को फिल्मों में ऐतिहासिक बनाया है। इस जोड़ी पर फिल्माया फिल्म 'शोले' का गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' हिट रहा फिर इस जोड़ी ने फिल्म 'राजपूत' में 'भागी रे भागी रे भागी ब्रजबाला, कान्हा ने पकड़ा रंग डाला'गाकर भरपूर होली खेली। बॉलीवुड में 'होली' और 'होली आई रे' नाम से और 'फागुन' नाम से दो फिल्मों का निर्माण हो चुका है।

'डर' में सनी देओल-जूही चावला

'वक्त' में अक्षय-प्रियंका चोपड़ा

फिल्मी कथा में होली का तरह-तरह से उपयोगः फिल्मों में होली से जुड़ा दिलचस्प पहलू यह भी है कि जहां कुछ फिल्मकारों ने होली को फिल्म की कहानी आगे बढ़ाने के लिए उपयोग किया, तो कुछ ने टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने इसे सिर्फ मौज-मस्ती और गाने फिट करने के लिए फिल्म में डाला। फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने अपनी फिल्म 'दामिनी' में होली के दृश्य का उपयोग फिल्म में टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए किया, जबकि 'आखिर क्यों' के गाने 'सात रंग में खेल रही है दिल वालों की होली रे' और 'कामचोर' के 'मल दे गुलाल मोहे' में इनके जरिए फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाया गया।

नायकों ने नायिकाओं के जीवन में भरे रंगः कई फिल्मों में नायक होली के माध्यम से नायिकाओं के जीवन में रंग भरने की कोशिश करते भी दिखे। फिल्म 'धनवान' में राजेश खन्ना ने रीना रॉय के लिए 'मारो भर-भर पिचकारी' तो 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र, मीना कुमारी के लिए 'लाई है हजारों रंग होली' गाते दिखे। इसी तरह फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माए गाने 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' ने आशा पारेख को अपने अतीत की याद दिला दी थी।

अब कम दिखते हैं होली के रंगः अब फिल्मों में रुचि रखने वाले दर्शकों की पसंद काफी बदल चुकी है। कभी-कभी ही फिल्मों से होली गीत दिखते हैं। बीते बरस की फिल्मों में 'जॉली एलएलबी-2' में अक्षय कुमार और हुमा कुरैशी पर फिल्माया एक होली गाना दिखाई दिया था। लेकिन वास्तविकता यही है कि आजकल की फिल्मों में होली के रंग फीके पड़ गए हैं। *

सारे गिले-शिकवे भुलाकर प्रेमपूर्वक रंग खेलने का दिन : स्वाति शर्मा

चैनल शेमारू उमंग के नए शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा ने आशी के किरदार में सबका दिल जीत लिया है। वह होली से जुड़ी अपनी यादें ताजा करते हुए बताती हैं, 'होली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार है। मेरी सबसे यादगार होली तब की है, जब हम कई साल पहले अपने नए घर में शिफ्ट हुए थे। हमारे पड़ोस में तब कोई रहने नहीं आया था। हमने बगल वाले अंडरग्राउंड टैंक से बकेट से पानी निकालकर, उसमें कलर मिलाकर जमकर होली खेली थी। लेकिन जब मम्मी-पापा को हमारी शरारत पता चली, हमें खूब डांट पड़ी कि हमने इतना ढेर सारा पानी बर्बाद क्यों किया। तब बचपना था, लेकिन अब इस बात को हम अच्छे से समझते हैं कि होली में पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। अब तो हम सबसे कहते हैं, 'होली सिर्फ सूखे रंगों से ही खेलें, पानी बर्बाद न करें।' हमें होली की सबसे प्यारी बात यह लगती है कि इस त्योहार के दौरान हम अपने सारे गिले-शिकवे भूलकर आपस में प्रेम पूर्वक रंग खेलते हैं, गले मिलते हैं। इस बार की होली मैं शो 'चाहेंगे तुम्हे इतना' के सेट पर अपने कास्ट और क्रू के साथ मनाऊंगी।' *

समावेशी भावना होली को सुंदर-अनोखा उत्सव बनाती है : राकेश बेदी

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाभीजी घर पर हैं' में भूरे लाल का किरदार निभा रहे राकेश बेदी से जब होली की बात होती है तो उन्हें अपने बचपन के दिनों में होली पर की गई शरारतें याद आ जाती हैं। वह बताते हैं, 'होली पर हम बच्चे पानी की बंदूकें और रंगीन पानी की बाल्टियां लेकर बैठ जाते थे, जैसे ही कोई पड़ोसी अपने घर से बाहर निकलता, हम उस पर हमला बोल देते। हमारे पड़ोसियों में एक रूड अंकल थे। हमने उनके साथ मजाक करने का साहस किया। हम बच्चों ने जाकर उनके घर की डोर बेल बजाई, जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, हमने रंगों से भरी बाल्टी उन पर उड़ेल दी और छिपने के लिए भागे, लेकिन अंकल जी गुस्से में आने के बजाय घर के भीतर गए, अपनी रसोई से सूखे आटे की थैली उठा लाए और हमारे ऊपर छिड़कने लगे। इस मस्ती में दूसरे पड़ोसी भी शामिल हो गए। सबको खूब मजा आया। होली के पर्व को सभी उम्र, पृष्ठभूमि और सामाजिक वर्गों के लोग एकसाथ मनाते हैं। ऐसी समावेशी भावना होली को एक सुंदर और अनोखा उत्सव बनाती है।' *

प्रस्तुति : हरिभूमि फीचर्स